इंडियन टेलीफोन इंडस्ट्रीज लिमिटेड द्वारा टेलीफोन सामग्री की कम सप्लाई और मेरठ डिवीजन के विकास पर इसका प्रभाव

*768. श्री महाराज सिंह भारती : क्या सूचना तथा प्रसारण और संचार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि इंडियन टेलीफोन इंडस्ट्रीज लिमिटेड, बंगलोर देश की बढ़ती हुई टेलीफोनों की मांग को पूरा करने में असमर्थ है और इसके परिणामस्वरूप इस क्षेत्र में अग्रेतर विकास रुक गया है;

(ख) यदि हां, तो उक्त गतिरोध को समाप्त करने के लिये क्या कार्यवाही की जा रही है; और

(ग) यदि नहीं, तो मेरठ डिवीजन के विकास के लिये सामग्री सप्लाई न किये जाने के क्या कारण हैं ?

सूचना तथा प्रसारण और संचार मंत्री (श्री सत्यनारायण सिंह) :

(क) और (ख). जी हां। किन्तु, फिर भी यह कहना सही नहीं होगा कि इंडियन टेलीफोन इण्डस्ट्रीज लिमिटेड की क्षमता के अग्रेतर विकास में गतिरोध आ गया है। इण्डियन टेलीफोन इण्डस्ट्रीज लिमिटेड, टेलीफोन उपकरणों और अन्य दूरसंचार उपस्कर के निर्माण की अपनी क्षमता को प्रगामी रुप से बढ़ा रही है। लम्बी-दूरी के परिषण उपस्कर के निर्माण के लिये एक नया कारखाना इलाहाबाद के निकट नैनी में स्थापित करने का भी निश्चय किया जा चुका है। टेलीफोन उपकरणों तथा एक्सचेंज उपस्कर के निर्माण के लिये और कारखाने स्थापित करने या न करने का प्रश्न सरकार के विचाराधीन है।

(ग) भारत में अन्य स्थानों की तरह मेरठ प्रभाग की एक्सचेंज क्षमताओं के अग्रेतर विस्तार का प्रश्न सम्पूर्ण देश में इस प्रकार के विस्तार के लिये उपलब्ध वित्तीय तथा सामग्री स्रोतों की समग्र स्थिति पर निर्भर होगा।

Growing Indiscipline among Industrial Workers in West Bengal

*769. SHRI G. Y. KRISHNAN:
SHRI N. SHIVAPPA:

Will the Minister of LABOUR AND REHABILITATION be pleased to state:

(a) whether it is a fact that differences have cropped up in the industry and business circles in West Bengal over what they should do in the face of the uncertainty created by growing indiscipline among workers and deterioration in law and order;

(b) whether it is also a fact that such feelings have been conveyed to the State as well as the Central Government; and

(c) if so, the reaction of Government thereto?

THE MINISTER OF LABOUR AND REHABILITATION (SHRI D. SANJIVAYYA): (a) to (c). Government of West Bengal have informed that they have no information about such 'differences'. There have, however, been reports about workers' unrest and the law and order situation in the State, which is a matter for the State authorities to deal with.

Setting up of Fertiliser Credit Guarantee Corporation to remove Bottleneck in Fertiliser Consumption

*770. SHRI RABI RAY: Will the Minister of FOOD AND AGRICULTURE be pleased to state:

(a) whether it is a fact that an expert Committee went into the question of bottleneck in the fertiliser consumption the country;

(b) if so, whether it is also a fact that the said committee recommended for the establishment of Fertiliser Credit Guarantee Corporation as a solution to this problem; and

(c) what steps Government have taken to implement the decision of the expert Committee?